हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

मण्डला। मध्यप्रदेश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद 3 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती है।

योजना के लिए पात्रता

योजना का लाभ असंगठित क्षेत्र के ऐसे श्रमिक ले सकते हैं, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच है तथा मासिक आय 15 हजार रुपये तक है। आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए तथा कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) अथवा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) जैसी संबंधित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत शामिल नहीं होना चाहिए।

आयु के अनुसार करना होगा अंशदान

योजना में श्रमिक को अपनी प्रवेश आयु के अनुसार 55 से 200 रुपये प्रतिमाह तक अंशदान करना होता है। श्रमिक के अंशदान के बराबर राशि केंद्र सरकार द्वारा भी जमा की जाती है। निर्धारित शर्तों के अनुसार अंशदान ऑटो-डेबिट के माध्यम से जमा होता है।

सीएससी केंद्र पर करा सकते हैं पंजीयन

इच्छुक पात्र श्रमिक आधार कार्ड और बचत बैंक खाता अथवा जनधन खाते की जानकारी के साथ निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं। योजना से जुड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिक अपने भविष्य के लिए नियमित पेंशन की व्यवस्था कर सकते हैं।

चल समारोह में धार्मिक गीतो से सुनील लोधी बांधेंगे समां

विसर्जन चल समारोह में उमड़ेगा जनसैलाब





*** विभिन्न तरह की झांकियाँ होंगी आकर्षण का केन्द्र।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

बड़ी खैरी से श्री सिद्ध दुर्गात्सव समिति का भव्य चल समारोह आज आयोजित होगा। इस समारोह में हजारों की संख्या में धर्मप्रेमियो के पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। इस चल समारोह में विशेष तौर से हनुमान अंश फिल्म के गायक सुनील लोधी अपनी 18 सदस्यीय टीम के साथ विशेष रूप से आ रहे हैं। जो चल समारोह में नगर के चिलमन चौंक, बस स्टैंड, लालीपुर सहित अन्य स्थानों में अपनी विशेष गीतों से भक्ती समा बांधेंगे। आयोजन समिति के मार्गदर्शक बॉबी रावत एवं कार्यकर्ता नीतेश पटैल ने बताया कि श्री सिद्ध दुर्गा उत्सव समिति बड़ी खैरी द्वारा इस वर्ष दुर्गा उत्सव के अवसर पर भव्य चल समारोह का आयोजन किया जा रहा है। चल समारोह को खास और आकर्षक बनाने के लिए धार्मिक झांकियों के साथ-साथ संगीत, डीजे, बैंड, आतिशबाजी, फायर शो और ड्रोन शो जैसी कई विशेष प्रस्तुतियां शामिल की गई हैं। इसके अलावा रायपुर के कलाकारों द्वारा बाना छेदन की प्रस्तुति भी दी जाएगी जिसे देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह है। समारोह में काली डीजे के साथ धमाल गोंदिया की प्रस्तुति भी होगी। वहीं माता सती की झांकी गोंदिया से जुड़े कलाकारों द्वारा विशेष धार्मिक प्रस्तुति दी जाएगी। इन झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक माहौल देखने को मिलेगा। प्रसिद्ध सुनील बैंड बम्हनी बंजर भी अपनी प्रस्तुति देगा। युवाओं और संगीत प्रेमियों के लिए भी आयोजन में खास इंतजाम किए गए हैं। मंडला जिले की शान अत्तू डीजे और जबलपुर की शान भोले डीजे अपनी प्रस्तुति देंगे। डीजे की धुनों पर चल समारोह में शामिल श्रद्धालु और युवा जमकर उत्साह मनाते नजर आएंगे। आयोजन को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा गया है। समारोह के दौरान ड्रोन शो के माध्यम से आसमान में विशेष



दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं एलईडी के माध्यम से माता रानी की झलकियां भी प्रदर्शित की जाएंगी, जिससे श्रद्धालुओं को धार्मिक और आकर्षक दृश्य देखने को मिलेंगे। श्री सिद्ध दुर्गा उत्सव समिति बड़ी खैरी ने सभी भक्तजनों से कार्यक्रम में शामिल होकर धार्मिक आयोजन की शोभा बढ़ाने अपील की है। शारदेय नवरात्रि के पावन अवसर पर बड़ी खैरी स्थित श्री सिद्ध दुर्गा उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष विशेष धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। समिति की ओर से इस बार मां दुर्गा के भव्य स्वरूप के साथ नौ देवियों को भी विराजमान किया है। देवी प्रतिमाओं के दर्शन और पूजन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्री सिद्ध दुर्गा उत्सव समिति बड़ी खैरी द्वारा आयोजित नवरात्रि उत्सव का समापन भी इस बार खास होने जा रहा है।

आज शरद पूर्णिमा पर निकलेगा मंडी की महारानी का भव्य चल समारोह

सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति, अनाज तिलहन व्यापारी संघ, कृषि उपज मंडी मंडला द्वारा आज रविवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर दोपहर 3 बजे से 'मंडी की महारानी' का भव्य चल समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर आकर्षक तैयारियां की गई हैं। धार्मिक आस्था,भव्य झांकियों और मनोरंजक प्रस्तुतियों से सजे इस समारोह में नगरवासियों को कई विशेष आकर्षण देखने को मिलेंगे। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया है। चल समारोह में कांतारा की लोकप्रिय झांकी,नरसिंह अवतार की प्रस्तुति, इंटरनेशनल वी इवेंट और बेंगलुरु का हॉयसला स्टिक फायर शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही आरजू बैंड की संगीतमय प्रस्तुति, रायपुर का रंगोली वाला, गोंदिया किंग डीजे धमाल, ड्रोन यश शो,रियांश इवेंट और डीजे की प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम की रोनक बढ़ाएंगी। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित इस भव्य समारोह को यादगार बनाने के लिए समिति द्वारा विशेष आयोजन किया जा रहा है। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति, अनाज तिलहन व्यापारी संघ,कृषि उपज मंडी मंडला ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों और श्रद्धालुओं से 'मंडी की महारानी' के चल समारोह में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

विभूति झा की पुस्तक का विमोचन 26 को गजल संध्या आज



हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

चर्चित वकील रहे सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक विभूति झा की नई पुस्तक अनाम पथ का पथिक का विमोचन 26 अक्टूबर को मंडला में होगा। महिष्मति नर्मदा तट पर शाम 5 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में पद्मश्री महेश शर्मा, लेखक व चिंतक चिन्मय मिश्र, लेखक प्रकाशक गौरीना, प्रख्यात सर्जक देवीलाल पाटीदार, गर्जन सिंह वरकड़े, पत्रकार पंकज शुक्ला एवं पत्रकार पूजा सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी पत्रकारवार्ता में श्री झा द्वारा पत्रकारों से सांझा की गई। उन्होंने बताया कि विमोचन उपरांत प्रख्यात गायन मंडली विरासत के राजीव सिंह और साथी कबीर गायन प्रस्तुत करेंगे। भोपाल गैस त्रासदी के संघर्ष में गैस प्रभावितों की ओर से मामले को कोर्ट में सफल बना कर पूरे देश में चर्चा में आए विभूति झा की नई पुस्तक लेखक के यकायक अनाम पथ पर चल पडने और इस दौरान आए विभिन्न पड़ावों से हमें परिचित कराती है। आत्मकथात्मक पुस्तक का आरंभ 29 जून 2007 से होता है जब लेखक विभूति झा अपने लोकप्रिय जीवन को खामोशी से छोड़ देते हैं। पुस्तक अनाम पथ का पथिक केवल एक यात्रा वृतांत नहीं है बल्कि यह पुस्तक यात्रा के अर्थ पर विचार करने का निमंत्रण देती है। वहीं आज 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। रजा कला वीथिका मंच जिला न्यायालय के पास मंडला में प्रख्यात गायन मंडली विरासत भोपाल राजीव सिंह और अन्य साथी आज शाम 7 बजे से संगीत संध्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे। श्रद्धेय विजयदत्त श्यामादेवी झा मेमोरियल ट्रस्ट भंवरताल के द्वारा किया जाएगा। नर्मदा तट पर आयोजित होने वाली यह गजल कार्यक्रम में रुचि रखने वालों के लिए विशेष आकर्षण रहेगी। जयदत्त झा, आशीष कछवाहा, सारंग साहू ने साहित्यप्रेमियों संगीत अनुरागियों और नगरवासियों से कार्यक्रम में शामिल होने अपील की है।

बम्हनी में भूमि आवंटन के लिए दावे-आपत्ति आमंत्रित

मण्डला। नगर परिषद बम्हनी बंजर क्षेत्र में भूमि आवंटन के संबंध में दावे-आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं। नायब तहसीलदार, बम्हनी वृत्त द्वारा जारी सूचना के अनुसार, ग्राम बम्हनी स्थित खसरा नंबर 409/1/4 की 0.3030 हेक्टेयर भूमि पर मछली-मुर्गा बाजार निर्माण तथा खसरा नंबर 726/3 की 0.971 हेक्टेयर भूमि पर पानी की टंकी एवं सात व्यावसायिक दुकानों के लिए भूमि आवंटन की मांग की गई है। इस संबंध में 23 अक्टूबर 2026 को सूचना जारी की गई है। भूमि आवंटन पर किसी भी प्रकार की आपत्ति या दावा होने पर 6 नवंबर 2026 तक प्रस्तुत किया जा सकता है।

माहिष्मती घाट को पॉलिथीन मुक्त बनाने की पहल, दुकानदारों को किया जागरूक



मण्डला। माँ नर्मदा की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखने के उद्देश्य से नमामि नर्मदे महा आरती ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं एसडीएम मंडला शैलेन्द्र चौधरी ने माहिष्मती घाट के समीप दुकानदारों, पूजन सामग्री विक्रेताओं एवं नाविकों की बैठक ली। उन्होंने पॉलिथीन के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कागज के दोने-पत्तल एवं बांस की टोकनी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महिलाओं को बांस की टोकनी भी भेंट की गई। श्री चौधरी ने मंडला वासियों से नर्मदा घाट एवं शहर को प्लास्टिक मुक्त रखने में सहयोग करने की अपील की। घाट पर प्लास्टिक कचरा डालने पर नगर पालिका के सहयोग से अर्थदण्ड की कार्रवाई भी की जाएगी। इस अवसर पर जनपद पंचायत मंडला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनोद मरावी उपस्थित रहे।

80 लीटर हाथभट्टी मदिरा जब्त, अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध तीन प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार तथा जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 23 अक्टूबर को आबकारी विभाग के मंडला वृत्त द्वारा ग्राम अंजनिया के मांद टोला में नाले के किनारे अवैध मदिरा निर्माण स्थलों पर दबिश दी गई।

कार्रवाई के दौरान विभिन्न स्थलों से लगभग 400 डिब्बों में भरा कुल 4000 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 80 लीटर हाथभट्टी निर्मित कच्ची मदिरा जब्त की गई। मदिरा निर्माण में प्रयुक्त बर्तनों को भी मौके पर नष्ट किया गया।

आबकारी बल की कार्रवाई के दौरान अवैध मदिरा निर्माण में संलिप्त व्यक्ति मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश की जा रही है। प्रकरण में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अवैध मदिरा निर्माण से संबंधित कुल तीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन की कुल अनुमानित कीमत 4 लाख 13 हजार 500 रुपये बताई गई है।

जंगली हाथी नर्मदा पार कर पहुंचा मण्डला



मण्डला। मंडला में एक जंगली हाथी के आने से वन विभाग अलर्ट हो गया है। सिवनी के घंसौर से नर्मदा नदी पार कर यह अकेला हाथी मंडला के नारायणगंज क्षेत्र के चिरईडोंगरी और भावल के पास पहुंचा है। हाथी की खबर मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई और उसकी जगह का पता लगाने में जुट गई। आसपास के गांवों में मुनादी कर ग्रामीणों को सावधान किया जा रहा है। टिकरिया वन परिक्षेत्र अधिकारी मयंक उपाध्याय के अनुसार, शुक्रवार रात गूजरसानी और सहजनी के आसपास खेतों व जंगल में हाथी के निशान मिले हैं। अभी हाथी के जंगल में होने का अनुमान है। वन विभाग उसकी सही जगह पता करने के लिए लगातार निगरानी कर रहा है। हाथी की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ग्रामीणों को सावधान रहने की सलाह दे रहा है। लोगों को जंगल-खेतों में जाते समय सतर्क रहने और हाथी के नजदीक न जाने को कहा जा रहा है। टीम उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही है।

नाबालिग की हत्या के आरोप में युवक गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के टिकरिया थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग की हत्या के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को गांव के ही 23 वर्षीय युवक विनय को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को नाबालिग का शव उसके घर के पास स्थित खेत में मिला था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने रात में फोन कर लड़की को बुलाया था। वहां दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद युवक ने ब्लेड और पत्थर से हमला किया। लड़की के गिर जाने पर आरोपी ने उसका गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह खेत में नाबालिग का शव मिलने की सूचना पर टिकरिया पुलिस मौके पर पहुंची। शव पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए नारायणगंज स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ की। फोन पर बातचीत के दौरान विवाद की बात आई सामने पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की गांव के ही 23 वर्षीय विनय से लंबे समय से फोन पर बातचीत होती थी। पुलिस के अनुसार, घटना वाली रात आरोपी ने फोन कर नाबालिग को बुलाया था। वहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर ब्लेड से हमला किया और पत्थर से भी वार किया। लड़की के गिरने पर उसने गला दबा दिया। पुलिस ने जांच और पूछताछ के आधार पर आरोपी को हिरासत में लेकर बाद में हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। मंडला एसपी राजेश रघुवंशी ने बताया कि नाबालिग का शव मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की थी। जांच के दौरान हत्या का मामला दर्ज किया गया और सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

न्यायालय तहसीलदार मण्डला, जिला मण्डला

//ईश्तहार//

क्रमांक/वा.तह./मण्डला, दिनांक 12.10.2026 रा.प्र.क.2113/अ-6/2026-27

श्री आलोक कुमार चौरसिया, निवासी ग्राम बिंझिया मण्डला तहसील व जिला मण्डला

विरुद्ध

जगदीश प्रसाद चौरसिया पिता स्व. भद्ददेलाल चौरसिया निवासी बिंझिया मण्डला (मृतक.).....

अनावेदक/वसीयतकर्ता

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बिंझिया स्थित भूमि खसरा नंबर 82/1ख, मे से 2500 वर्गफुट भूमि आलोक चौरसिया पिता जगदीश प्रसाद, और खसरा नंबर 139/1 मे से 0.80 है. अनिल कुमार पिता जगदीश एवं खसरा नंबर 139/1 का शेष आधा एकड़ 0.20है. भूमि एवं खसरा नंबर 127/1 की शेष भूमि अपनी पत्नि सावित्री देवी चौरसिया को वसीयत की गई है। एवं खसरा नंबर 146 मे से 4800 वर्गफुट भूमि पुत्री आभा पत्नि राजेन्द्र चौरसिया को वसीयत की गई है। यह कि भूमि स्वामी की दिनांक 28.04.2026 को मृत्यु हो चुकी है। मृतक भूमिस्वामी द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 16.06.2022 के आधार पर वसीयतगृहिता आलोक कुमार पिता जगदीश प्रसाद चौरसिया निवासी बिंझिया तहसील व जिला मण्डला के द्वारा वसीयत के आधार पर नामांतरण कराये जाने हेतु म.प्र.भू.रा.सं. 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में गतिशील है।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत पेशी दिनांक 06.11.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार, मण्डला

योजना | **पात्र हितग्राही आवेदन कर प्राप्त कर सकते हैं लाभ।**

सामाजिक सुरक्षा पेंशन की 12 प्रमुख योजनाएं

*** दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु जारी है प्रयास।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से विभिन्न वर्गों के पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन की 12 योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को 600 रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान किए जाने का प्रावधान है।



इन योजनाओं के अंतर्गत मिलती है पेंशन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 60 वर्ष या अधिक आयु के बीपीएल परिवारों के पात्र हितग्राही लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 40 से 79 वर्ष आयु की बीपीएल सूची में शामिल विधवा महिलाएं पात्र हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना में 18 से 79 वर्ष आयु के बीपीएल परिवारों के ऐसे दिव्यांगजन, जिनकी दिव्यांगता 80 प्रतिशत या अधिक है, लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कन्या अभिभावक पेंशन योजना में केवल पुत्री संतान वाले दंपती, जिनमें से किसी एक की आयु 60 वर्ष या अधिक है, पात्रता के अनुसार लाभ ले सकते हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत निराश्रित वृद्धजनों, वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों, परित्यक्ता महिलाओं तथा विभिन्न आयु वर्गों के पात्र दिव्यांगजनों के लिए भी प्रावधान हैं। दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 6 से 18 वर्ष आयु के 40 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता वाले पात्र विद्यार्थियों को लाभ दिया जाता है।

इसी प्रकार कल्याणी पेंशन योजना के अंतर्गत पात्र विधवा महिलाओं तथा मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन योजना के अंतर्गत 50 वर्ष से अधिक आयु की पात्र अविवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान किया जाता है।

यहाँ करें आवेदन

पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आयु प्रमाण के लिए मतदाता परिचय पत्र, दसवीं की अंकसूची, जन्म प्रमाण पत्र अथवा सक्षम चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र सहित आधार कार्ड एवं संबंधित योजना के आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। हितग्राही आवेदन करने से पहले संबंधित कार्यालय से अपनी पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

निर्मल ग्रामों के नाम पर हो रही शासन की राशि बर्बाद, कमीशन की आड़ में प्रशासन की आंखे बंद

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए केन्द्र हो या प्रदेश सरकार गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है, जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। मगर उन शौचालयों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी हो क्योंकि शासन की राशि से बने हुए शौचालय यदि अपना एक जन्म दिन मना ले तो बहुत बड़ी बात समझी जावेगी? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है। जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी अपनी आफिसो में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक दो वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, बनाये गये शौचालय कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गयी है? कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दल दल निर्मित हो गयी है। मगर इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया था, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली गई है..? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है और दूसरी ओर सड़कों की गुणवत्ता को दर किनार करते हुए कमीशन की आड़ में अधिकारियों द्वारा उन्हें पास कर दिया गया है जो चंद दिनों के बाद भी टूटना शुरू हो चुकी है।

नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव अपनी जनराशि करते हुए विकास कार्य कराये जा रहे है, मगर कहा जाता है कि वह विकाय का कार्य सही कहलाता है जिसकी लोगों को उपयोगता होती है और यदि वही विकास कार्य नही होता है तो संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्हें लग जाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम पंचायत नांदनेर में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि हायर सेकेण्डरी स्कूल होने के साथ साथ सेवा सहकारी समिति सहित अन्य सुविधाएं तो गांव में उपलब्ध है, मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्योंकि ग्राम नांदनेर गाडरवारा पिपरिया मुख्य मार्ग पर स्थिति होने के कारण यहां से सभी प्रकार के वाहनों का निकलना होता है, वही यहां पर अपनी यात्रा करने के लिए इस मार्ग से चलने वाली बसों को पकड़ने के लिए प्रतिदिन आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम झांझनखेड़ा, मिढ़वानी, देवरी, दहलवाड़ा, छोटी बनखेड़ी सहित अन्य गांवों के लोगों का आना जाना भी रहता है। मगर यात्री प्रतीक्षालय न होने से उन्हे जहां बारिश के दिनों में गिरते हुये पानी तो गर्मी के दिनों में तेज तपती हुई धूप में खड़े होकर बसो का इंतजार करने मजबूर होना पड़ता है वही चाय पान दुकानों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सबसे अधिक परेशानी का सामना तो महिला यात्रियों के साथ मरीजों को करना पड़ती है, क्योंकि बैठने की व्यवस्था नही होने से जहां बसों के इंतजार में मरीजों को काफी समय तक खडे रहना पड़ता है।

शिक्षा मंत्री सिंह ने दर्शक दीर्घा में बैठकर लिया खेल का आनंद, बच्चों का बढ़ाया उत्साह

राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में नर्मदापुरम ने इंदौर को किया पराजित





हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के पुराने कालेज खेल मैदान सहित समीपस्थ चीचली, एनटीपीसी व बोहानी शासकीय स्कूलों के खेल मैदानों पर आयोजित की जा रही 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत क्षेत्र में खेलों का प्रदर्शन करने के लिये पधारी हुई टीमों को लेकर जहां लोगों में उत्साह देखने मिल रहा है। वही इस आयोजन के चलते क्षेत्र के किशोर जहां खेल की गतिविधियों से अवगत हो रहे है तो दूसरी ओर युवा व बुजुर्ग खेलों का आनंद लेने से नही चूक रहे है। वही इस आयोजन को लेकर चार खेल मैदानों को अलग अलग नम्बर देते हुये उन पर प्रतियोगिता आयोजित कराई जा रही है। नगर के पुराने कालेज खेल मैदान को क्रमांक 1, जनपद चीचली के खेल मैदान को क्रमांक 2, पी एम श्री राघव कृषि विद्यालय बोहानी के खेल मैदान को क्रमांक 3 तथा एनटीपीसी खेल स्टेडियम को क्रमांक 4 का दर्जा दिया गया है। इस तरह 23 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन इन्ही खेल मैदानों पर संपन्न कराया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस चीचली जनपद ग्राउंड पर आयोजित अंडर-19 मुकाबले में नर्मदापुरम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंदौर को पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नर्मदापुरम टीम ने अपने निर्धारित ओवरों में 149 रन बनाए। वही लक्ष्य का पीछा करने मैदान पर उतरी इंदौर की टीम 16 ओवर में 111 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह नर्मदापुरम ने मुकाबले में जीत दर्ज की। वही प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर यानि की शनिवार को शासकीय राघव कृषि उ मा विद्यालय बोहानी खेल मैदान पर खेले गये मैच में रीवा ने उज्जैन टीम को 29 रनो से हराया। निर्धारित 20 ओवरो के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रीवा ने अपने 7 विकेट खोकर 177 रन बनाये थे। वही जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी उज्जैन की टीम 148 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इसी मैदान पर शुक्रवार को खेले गये मैच में नर्मदापुरम संभाग ने शहडोल को 1 रन से पराजित किया गया। 20 ओवरो के मैच में नर्मदापुरम ने 7 विकेट खोकर 176 रन बनाये जवाब में शहडोल संभाग की टीम 175 रन बनाकर आल आउट हो गई। इसी प्रकार से एनटीपीसी खेल मैदान पर खेले गये मैच में सागर संभाग की टीम ने ग्वालियर संभाग को 107 रनो के बड़े अंतर से पराजित किया। बताया जाता है कि पहले बल्लेबाजी करते हुए सागर संभाग ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाये। वही ग्वालियर की टीम 8 ओवर में सिर्फ 73 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। वही रीवा ने भोपाल को 49 रनो से हराया। इसी प्रकार से चीचली के खेल मैदान पर खेले गये मैच में नर्मदापुरम ने इंदौर संभाग को 38 रनो से हराया। नर्मदापुरम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाये जवाब में इंदौर की टीम सभी विकेट खोकर सिर्फ 111 रन ही बना पाई। इसी मैदान पर इंदौर संभाग ने जनजातीय कार्य विभाग की टीम को 41 रनो से पराजित किया गया। इंदौर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाये जवाब में जनजातीय टीम 13 ओवर में 108 रनो पर ऑल आउट हो गई। वही नगर के रूद्र कॉलेज मैदान पर खेले गये मैच में जबलपुर संभाग ने 20 ओवरो में 164 बनाये तो जवाब में शहडोल सिर्फ 46 बना पाई और 118 रनो के विशाल अंतर से हार गई। वही पर दूसरा मैच शहडोल संभाग ने जनजातीय कार्य विभाग को 5 विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरो के मैच में जनजातीय कार्य विभाग ने 113 रन बनाये जवाब में शहडोल ने 5 विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य हासिल जीत का परचम लहराया। इस तरह चल रहे आयोजन में जहां दर्शको की भीड़ पहुंच रही है। वही शनिवार को खेले गय मैच के दौरान मध्य प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह विशेष रूप मौजूद रहते है आम दर्शक की भांति सभी के बीच बैठकर खेलों का आनंद लिया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने मैदान पर खेल रही दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ही खिलाड़ी भावना की द्योतक है। खेल में अनुशासन, परिश्रम, सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और टीम भावना के महत्त्व को रेखांकित करते हुए खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मंत्री सिंह ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये विद्यार्थियों में अनुशासन, धैर्य, आपसी सहयोग और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, कमजोरियों को दूर करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए खेल भावना और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, जनपद चीचली के पूर्व अध्यक्ष मुकेश मरैया,चीचली भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेश कौरव, संदीप पैगवार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शरद पूर्णिमा के पूर्व रात्रि पर नर्मदा मार्गों पर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी पर रोक लगाये जाने की उठ रही मांग

रात के समय पैदल व सरे भरते हुये जाने वाले भक्तों के लिये पैदा हो जाता है खतरा...



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हमारे क्षेत्र के सौभाग्य है कि गाडरवारा तहसील से माँ नर्मदा का निकलना हुआ है, जिसके चलते हमारे क्षेत्र को बडी बड़ी मुश्किलों से माँ नर्मदा सदा ही रक्षा करती चली आ रही है। मॉ नर्मदाजी मे गाडरवारा क्षेत्र की ही नही बल्कि पूरा भारत वर्ष के श्रद्धालुओं की असीम आस्था है। मगर देखा जा रहा है के माँ नर्मदाजी के संरक्षण को लेकर सरकार द्वारा की जाने वाली सभी घोषणाये मात्र एक दिखाबा साबित होने से नही चूक पाती है तो दूसरी ओर नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों का जीवन भी असुरक्षित महसूस किये जाने लगा है। हर माह पूर्णिमा के अवसर पर जहां नर्मदाजी के हर घाट पर भक्तों का मेला लग जाता है तो दूसरी ओर पूर्णिमा के पहले से ही क्षेत्र की सड़को से जहां सैकड़ो संख्या में भक्त सरे भरने के साथ पैदल जत्थाओं के रूप में निकलते है तो दूसरी ओर पूर्णिमा के पूर्व रात्रि का महौल तो इस तरह से देखने मिलता है कि नर्मदाजी के लिये पहुंचने वाले मार्गो पर मानो जन सैलाब समाने का नाम ही नही लेता है। इस स्थिति में निश्चित तौर से नर्मदाजी के लिये पहुंचने वाले मार्गो से जिस तरह रात भर भारी भरकम डम्फरों सहित अन्य वाहनों की धमाचौकड़ी रहने के कारण इन भक्तों के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक पाता है? इस बात की सच्चाई बीते हुये कुछ वर्ष पहले उस समय देखने मिल भी चुकी है जब केकरा घाट सरे भरते हुये जा रही भक्तों के ऊपर एक वाहन के चढ़ जाने के कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक पाई थी? इसी बात को ध्यान में रखते हुये नर्मदा भक्तों द्वारा शासन प्रशासन के साथ साथ क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से मांग की जा रही है कि हर माह यानि की पूर्णिमा के पूर्व रात्रि पर नर्मदा की ओर जाने वाले मुख्य मार्गो पर भारी भरकम वाहनों में मुख्य रूप से डम्फरों की धमाचौकड़ी पर एक रात के लिये प्रतिबंध लगना चाहिये। क्योंकि कल सोमवार को शरद स्नान दान पूर्णिमा के चलते निश्चित ही आज रविवार की रात को माँ नर्मदाजी की ओर जाने वाले मार्गो पर पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूक पायेगी। इसलिये आज की रात जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों नर्मदा भक्तों द्वारा अपेक्षा जताई गई है कि आज रात नर्मदाजी की ओर जाने वाले प्रमुख रूप से गाडरवारा से केकरा घाट तथा अन्य सभी मार्ग पर रात्रि के समय भारी वाहन मुख्य रूप से डम्फरों की धमाचौकड़ी पर रोक लगाने के आदेश देना चाहिये। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा माँ नर्मदाजी के संरक्षण को लेकर आये दिन बड़ी बडी घोषणाये तो की जाती है। मगर उन पर अमल नही होने के कारण माँ नर्मदा लगातार प्रदूषित होने से नही बच पा रही है। यह बात अलग है कि माँ नर्मदा क्षेत्र के हर तबके के लोग मॉ नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए क्या क्या कर रहे है यह बात सभी जानते है। मगर आये दिन देखा जाता है कि क्षेत्र की पावन माँ नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए लोगों द्वारा जहां सफाई अभियान चलाते हुए उसे प्रदूषण व गंदगी से मुक्त किया जा रहा है। वही कुछ लोग इस प्रकार के भी देखे जात है तो माँ नर्मदा की कृपा से अपना जीवन संभार रहे है जिसके चलत जहां प्रतिवर्ष सैकड़ो लोगों द्वारा माँ नर्मदा की सुबह शाम जहां माँ नर्मदा की आरती व पूजन करने के साथ साथ हर माह अमावस्या व पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदाजी की शरण में सरे भरने से लेकर नंगे पैर पैदल पहुंचते हुये देखे जाते है। इस प्रकार से आस्थावान लोगों के चलते माँ नर्मदा के हर घाटों पर मेले का स्वरूप देखने मिलता है और वही दूसरी ओर कुछ लोग इस प्रकार से भी होते है जो माँ नर्मदाजी में गंदगी फैलाने से नही चूकते है...? मॉ नर्मदा में पूजन करने का तरीका भी अनोखा होता है जो अपने घर की पूजन हवन सामग्री सहित अन्य सामग्री बड़े बड़े पालीथिनो मे लेकर पहुंचते है वही सामग्री माँ नर्मदा के निर्मल नीर में छोड़ते हुये गंदगी फैलाते हुये देखे जाते है। इस प्रकार से अपने घरों से लाई गई हवन पूजा सामग्री पालिथिन सहित नर्मदा जल मे डालकर मॉ नर्मदा के अमृत जल को प्रदूषित एवं गंदा करने से रोकने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसके लिये लगातार प्रयास होते रहना चाहिये।

उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के तहत आयोजित हुई मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षायें



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल एवं जिला शिक्षा केंद्र के निर्देशों के परिपालन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अंतर्गत बीते हुये शनिवार 24 अक्टूबर को जनपद शिक्षा केंद्र साईखेड़ा के 124 एवं चीचली के अंतर्गत 158 केंद्रों पर 'मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा' का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस परीक्षा के सफल संचालन हेतु दोनों ब्लॉक में विभिन्न परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे तथा संबंधित शाला प्रमुखों व शिक्षकों को केंद्र अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। आयोजित हुई इस परीक्षा का समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक रखा गया था। वही दूसरी ओर परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस अवधि के दौरान कोई भी 2 घंटे का समय परीक्षा हेतु प्रदान किया गया। इस परीक्षा में निरक्षर असाक्षरों के साथ-साथ ऐसे व्यक्ति भी शामिल हुए जिन्होंने पूर्व में शिक्षा प्राप्त की परंतु उनके पास कोई प्रमाणीकरण नहीं था। परीक्षा 150 अंकों की हुई जिसमें पढ़ना (50 अंक), लिखना (50 अंक) और गणित (50 अंक) शामिल थे। वही बताया जाता है कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक भाग में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य था। परीक्षा के आयोजन में सभी सहयोगियो का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

बेमौसम छाने वाले बादलों को देखकर किसानों के चेहरो पर पड़ रही चिंता की लकीरे

यदि बारिश हुई तो बर्बाद हो जावेगा अन्नदाता



हरिभूमि न्यूज/सड़मर। क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये रातदिन एक करते हुये मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस तरह आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि शायद प्रकृति की मार इन किसानों का पीछा नही छोडेगी और आसमान की ओर देखकर किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है..? यह बात अलग है कि इस साल बारिश के मौसम ने किसानों का साथ देते हुये फसलों की चमक से अन्नदाता के चेहरें पर खुशी लाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर इस समय जिस तरह आये दिन आसमान पर बदली छाने के साथ मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना भरी सूचनाये देने से किसानों को चिंता में डालने से नही चूक रहा है। वही अनेक जगहो पर बारिश की खबर मिलने के कारण क्षेत्र का किसान चिंता में पड़ गया है। क्योंकि हर वर्ष देखा जाता है कि जब सारी परेशानियों को झेलने के बाद किसानों द्वारा अपने खेतों में इस उम्मीद के साथ फसल की बोनी की जाती है कि शायद इस बार उनका भाग्य संभल जावेगा और प्रकृति साथ दे देगी। मगर जब खेतों में फसले तैयार होने लगती है तो प्रकृति का खेल इस प्रकार से देखने मिलता है कि किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में सोयाबीन की फसल पूर्णरूप से तैयार होकर कई जगह कट रही है तो अनेक जगहों पर कटने के लिये खड़ी है। यही हाल धान फसल का भी देखा जा रहा है। मगर बीते हुये कुछ दिनों से जिस तरह आसमान पर बादल छाने के साथ साथ मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना व्यक्त की जा रही है उससे निश्चित ही किसानों की रातों की नींद गायब हो चुकी है। इस तहर से देखा जावे तो हर साल दशहरा पर्व तक बारिश बिदाई लेने के बाद ठंड का आगमन हो जाता था। मगर इस दिनों दोपहर के समय सूरज की तेज तपन निश्चित तौर से चिंता में डालने से नही चूक रही है। यही कारण है कि क्षेत्र के किसानों के खेतों में लहलहाती हुई धान फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लगते हुये देखे जा रहे है। जिसके कारण किसान इन रोगों से अपनी फसलों को सुरक्षित बचाने के लिये हजारों रूपया खर्च करते हुये अनेक प्रकार की कीटनाशक दबाईयों का छिड़काव कर रहे है। वही दूसरी ओर खेतों में सोयाबीन फसल कटने के लिये तैयार खड़ी हुई है उसके खराब होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वही यही सीजन किसानों के लिये अपने खेतों में चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य प्रकार की फसलों की बोनी करने का होता है। यदि बारिश होती है तो किसानों की बोनी सहित गन्ना पराई का कार्य भी प्रभावित होने से नही चूक पायेगा...? इस स्थिति में अनेक किसानों का कहना है कि यदि बारिश हो जाती है तो निश्चित तौर से किसानों द्वारा जहां अपनी फसलों की तैयार करने में लगाई गई पूरी लागत पानी में चली जावेगी तो दूसरी ओर क्षेत्र का किसान फिर एक बार बर्बादी की कगार पर पहुंच जावेगा..? बोनी के बाद मौसम ने किसानों को साथ दिया गया था उसके चलते निश्चित तौर से किसानों का सोयाबीन की पैदावार की ओर रूख दिखाई देना शुरू हो गया था। मगर यदि प्रकृति धोखा देती है तो निश्चित तौर से किसानों द्वारा सोयबीन फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत भी खड़ी हो पाना मुश्किल होने से नही चूकेगा..? इस प्रकार से प्रकृति की मार झेल रही किसान आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर सुख मन से रोटी तक नही खा पा रहा है।

कैसे सफल होगा देश के प्रधानमंत्री का स्वाच्छ भारत का सपना पूरा, गांव के रास्तों पर कीचड़ का साम्राज्य

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांवों को स्वाच्छ बनाने के लिए स्वाच्छता मिशल चलाते हुए करोड़ो रूपया खर्च किये जा रहे है? मगर वही दूसरी ओर जब गांवों की स्थिति देखी जा रही है तो सरकार द्वारा स्वच्छता पर किये जा रहे पैसा खर्च करना सिर्फ बर्बादी के आलवा और कुछ दिखाई नही दे रहे है? क्योंकि स्वच्छता के नाम पर हर पंचायत में लाखों रूपया खर्च होने के बाद भी गांवों की सड़कों पर कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने से जहां पंचायत की भूमिका पर सबाल खड़े होते हुए जान पड़ रहे है? वही दूसरी ओर इस अभियान को सफल बनाने के लिए अमली जामा पहनाने के लिए नियुक्त किये गये सरकारी कर्मचारियों की भूमिका भी गांवों की स्थिति को देखते हुए संदेह के घेरे में आते हुए जान पड़ रही है? क्योकि जिस प्रकार से गांवों की सड़के कीचड़ से भरी पड़ी हुई है उसके बीच से जहां ग्रामवासियों का निकालना दुभर हो रहा है। वही दूसरी ओर गंदगी के चलते गांवों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ फैलने का भी भय दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि पंचायतों द्वारा गांवों में स्वच्छता के नाम पर तो लाखों रूपया खर्च डाले है मगर इसके बाद भी कोई सुधार दिखाई नही दे रहा है। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है जहां पर स्थिति इस प्रकार से बनी है कि गांव के अंदर की सड़कों पर जहां पूर्णरूप से कीचड़ का साम्रज्य स्थपापित हो गया है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब गांवों में इस प्रकार से गंदगी का साम्राज्य स्थापित रहेगा तो मौसमी बीमारियों से जंग जीतने में कहा तक सफलता मिल पायेगी? कुछ इसी प्रकार का हाल सांईखेड़ा जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों में भी देखने मिल रहा है जहां पर बताया जाता है कि जहां गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम सड़कों पर अपने मवेशी बांधते हुए सड़को को कीचड़ युक्त किया जा रहा है वही दूसरी ओर लोगों के घरों से निकलने वाली पानी के बहाव हेतु उचित नालियों का निर्माण नही होने से लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी भी सड़को से होकर जाने से गांव के अंदर की सड़क कीचड़ से बजबजा रही है? इस प्रकार की स्थिति के चलते जहां भारत सरकार के स्वच्छता अभियान पर प्रश्न चिन्ह लगता हुआ नजर आने लगा है? वही दूसरी ओर पंचायतों की भूमिका भी सबालों के घेरे में आने से नही बच पा रही है। मगर इसके बाद यहां पर पदस्थ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इस ओर ध्यान न देना जहां चिंता का विषय बना हुआ है? वही दूसरी ओर इस सच्चाई को देखते हुये आमजन का कहना है कि जब गांवों को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार द्वारा मनमानी राशि प्रदान की जा रही है तो फिर आखिर में वह निर्माण हो कहा रहे है जिसके चलते गांवों में गंदगी के कारण प्रदूषण फैल रहा है।

नियम विपरीत वाहनों में लगे हुये लाईट की अनदेखी बन रही सड़क दुर्घनाओं का कारण

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। क्षेत्र की सड़को पर दौड़ने वाली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगाने में प्रशासन की असफलता का परिणाम है कि वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू दिखाई देने से नही चूक रहे है। क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले कई वाहनो की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह निर्धारित नियमों के विरूद्व संचालित होने के साथ साथ यह खस्ताहाल वाहन जहां पर्यावरण को बिगाड़ रहे है। वही ये दुर्घटानाओ के कारण भी बनने से भी नही चूक है...? क्योंकि जिस प्रकार से वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्व लाईट लगाये हुये है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होने का प्रमुख कारण सामने आने से नही चूक पाता है, जहां अनेक चार पहिया वाहन इस प्रकार से होते है जिनका मात्र एक ही हेड लाईट चलते हुये देखा जाता है जिसके चलते इस प्रकार के वाहन को अधिकांश समय लोग दो पहिया वाहन समझते हुये अपनी मोटर साईकिल को काटता है तो वह दुर्घटना का शिकार होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर अनेक वाहनों में निर्धारित माप दंडों के अतिरिक्त तेज रोशन वाली लाईट लगे होते है जो सामने से आने वाली वाहन चालक को रास्ता दिखना ही बंद हो जाता है, उसके कारण वह दुर्घटना का शिकार होने से नही बच पाता है? इस प्रकार की सच्चाई सबसे अधिक सड़को पर दौड़ रहे आटों में देखने मिल रहा है, क्योंकि आटों चालकों द्वारा अपने आटों में मनमाफिक रूप से आटों के ऊपर व अन्य जगहों पर जो अतिरिक्त लाईट लगाये हुये है वह छोटे वाहन चालकों के खिलाफ खतरा का कारण बनने से नही चूक रहे है? इस प्रकार की सच्चाई के चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से अपेक्षा जताते हुये आटों व चार पहिया वाहनों में जिस प्रकार निर्धारित नियमों को दर किनार करते हुये अतिरिक्त लाईट लगाये गये है उनकी जांच के लिये एक मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जावे जिससे आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

खबर संक्षेप

डिंडौरी में दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता, विजेताओं को मिलेंगे एक लाख रुपये तक के पुरस्कार



डिंडौरी। जिले में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और उन्नत स्वदेशी नस्ल की गायों के पालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत 27 से 31 अक्टूबर तक दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के अंतर्गत यह आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता विकासखंड करंजिया के वृद्धावन ग्राम मोहत्तरा तथा डिंडौरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वृद्धावन ग्राम घुसिया माल में आयोजित होगी।

प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये

प्रतियोगिता में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाली गायों के पशुपालकों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालक को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान पर 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले पशुपालक को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। योजना के माध्यम से गिर, साहीवाल, थारपारकर सहित अन्य अधिसूचित उन्नत स्वदेशी नस्लों के संरक्षण एवं संवर्धन को प्रोत्साहन दिया जाएगा।प्रतियोगिता में संबंधित वृद्धावन ग्रामों के इच्छुक एवं पात्र पशुपालक भाग ले सकेंगे। इसके लिए पशुपालक के पास भारतीय उन्नत नस्ल की ऐसी दुधारू गाय होना आवश्यक है, जिसका प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन कम से कम छह लीटर हो। पात्र पशुओं का पंजीयन कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दुग्ध उत्पादन का सत्यापन किया जाएगा। गाय के तीन समय के दुग्ध उत्पादन के औसत के आधार पर मूल्यांकन होगा। सर्वाधिक औसत उत्पादन करने वाली गायों के पशुपालकों को विजेता घोषित कर निर्धारित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना का उद्देश्य पशुपालकों को बेहतर पशु प्रबंधन, उन्नत देशी नस्लों के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। प्रतियोगिता से पशुपालकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को लाभकारी गतिविधि के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे पशुपालकों की आय बढ़ाने और जिले में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

सड़क की हकीकत पर लोक अदालत सख्त, दो माह में सुधार के निर्देश

डिंडौरी-जबलपुर मार्ग की गुणवत्ता पर उठे सवाल

देवरा की नल-जल योजना पर भी अदालत ने मांगा जवाब

डिंडौरी।

डिंडौरी से जबलपुर तक निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क की गुणवत्ता और वाहनों में लग रहे झटकों को लेकर लोकोपयोगी लोक अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। विभागीय रिपोर्ट में सड़क की स्थिति अच्छी बताए जाने के बावजूद उसकी वास्तविक स्थिति पर सवाल उठे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन यंत्री को दो माह के भीतर आवश्यक सुधार कराकर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निर्धारित अवधि में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच और लोकायुक्त जांच की कार्रवाई प्रस्तावित करने की चेतावनी दी गई।शनिवार को प्रथम जिला न्यायाधीश एवं लोकोपयोगी लोक अदालत के अध्यक्ष डी.एस. मंडलोई के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कार्यपालन यंत्री ने सड़क निर्माण में अनियमितताओं के आरोपों को निराधार बताते हुए विभागीय जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभाग की ओर से बताया गया कि सड़क की स्थिति अच्छी है, निर्माण एजेंसी की परफॉर्मेंस गारंटी अवधि प्रभावी है और ठेकेदार द्वारा लगातार रखरखाव किया जा रहा है।हालांकि, आवेदनकर्ता अधिवक्ता सम्यक जैन और के.के. सोनी ने विभागीय रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए कहा कि केवल कागजों में सड़क को अच्छी बता देने से उसकी वास्तविक गुणवत्ता प्रमाणित नहीं हो जाती। उनके अनुसार, सड़क की राइडिंग सरफेस असमान होने के कारण वाहन चालकों को झटके लग रहे हैं। इससे यात्रियों को परेशानी के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर भी चिंता पैदा हो रही है।

सड़क की गुणवत्ता पर उठे तकनीकी सवाल

आवेदक पक्ष ने न्यायालय के समक्ष तर्क दिया कि परफॉर्मेंस





गारंटी निर्माण के बाद की जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रावधान है। इसका अर्थ यह नहीं है कि निर्माण के दौरान गुणवत्ता संबंधी मानकों की अनदेखी की जा सकती है। अधिवक्ताओं ने अर्थवर्क, डब्ल्यूएमएम और सीआरएम सहित बुनियादी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं होने पर सड़क की अंतिम सतह पर उबड़-खाबड़पन और अनड्यूलेशन जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।सुनवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री ने स्वीकार किया कि कुंडम-शहपुरा मार्ग खंड में मौजूदा पुल-पुलियों की एप्रोच पर सेटलमेंट होने के कारण अनड्यूलेशन उत्पन्न हुए हैं। विभाग की ओर से बताया गया कि इन कमियों को दूर करने के लिए सुधार कार्य कराया जा रहा है। इस स्थिति ने सड़क की वास्तविक गुणवत्ता और विभागीय रिपोर्ट के दावों के बीच अंतर को लेकर सवाल खड़े किए।

मंत्री के निरीक्षण का उल्लेख, न्यायालय ने जताई नाराजगी

सुनवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री ने सड़क का निरीक्षण प्रभारी मंत्री द्वारा किए जाने का भी उल्लेख किया। इस पर न्यायालय ने नाराजगी जताते हुए टिप्पणी की कि मंत्री के दौरे और फोटो सेशन पर खर्च होने वाली राशि यदि सड़क के गुणवत्तापूर्ण निर्माण में लगाई जाती, तो शिकायत की नौबत नहीं आती और अधिकारियों को न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होना पड़ता।न्यायालय ने विभागीय रिपोर्ट के आधार पर वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम पैदा नहीं करने की हिदायत भी दी। साथ ही सड़क की कमियों को दूर करने के लिए दो माह का समय निर्धारित किया। कार्यपालन यंत्री को सुधार कार्य पूरा कर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। तय समयसीमा में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित करने के साथ विभागीय और लोकायुक्त जांच की कार्रवाई प्रस्तावित की जा सकती है।

देवरा की नल-जल योजना पर भी सख्ती

लोकहित से जुड़े एक अन्य मामले में ग्राम पंचायत देवरा के हंसनगर और साकेत नगर की नल-जल प्रदाय योजना की सुनवाई हुई। कार्यपालन यंत्री ने न्यायालय में जवाब प्रस्तुत करते हुए दावा किया कि सभी बसाहटों में नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है और वर्तमान में पानी की कोई समस्या नहीं है।इस दावे पर अधिवक्ता सम्यक जैन और के.के. सोनी ने आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने पेंशन एसोसिएशन के आवेदक सदस्यों को न्यायालय के समक्ष उपस्थित कराकर पेयजल आपूर्ति की स्थिति रखी। आवेदक पक्ष ने विभागीय रिपोर्ट को वास्तविक परिस्थितियों के विपरीत बताते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।मामले में न्यायालय ने एक माह के भीतर पेयजल आपूर्ति की समस्या का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही योजना के अंतर्गत ठेकेदार को अब तक किए गए भुगतान की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने को कहा, ताकि योजना के क्रियान्वयन और भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सके।न्यायालय ने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में समस्या का समाधान नहीं होने और आम नागरिकों को परेशानी जारी रहने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सकती है। सुनवाई के दौरान विभागीय जांच, लोकायुक्त जांच और जेल तक की कार्रवाई की चेतावनी का भी उल्लेख सामने आया। इस संबंध में अंतिम कार्रवाई की स्थिति संबंधित आदेशों और आगे की न्यायिक कार्यवाही से स्पष्ट होगी।

सड़क और पेयजल से जुड़े दोनों मामले आम नागरिकों की सुरक्षा तथा बुनियादी सुविधाओं से संबंधित हैं। एक ओर डिंडौरी-जबलपुर मार्ग की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं, तो दूसरी ओर हंसनगर और साकेत नगर में नियमित पेयजल आपूर्ति को लेकर विभागीय दावों और आवेदक पक्ष के अनुभवों में अंतर सामने आया है।लोक अदालत के निर्देशों के बाद अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि सड़क की तकनीकी खामियां निर्धारित समय में दूर होती हैं या नहीं और संबंधित बस्तियों के नागरिकों को नियमित पेयजल मिल पाता है या नहीं। इन मामलों में विभागीय आश्वासन की वास्तविक परीक्षा धरातल पर होने वाले सुधार और उसकी पुष्टि से होगी।इसी लोक अदालत में आवारा कुत्तों के आतंक और शहर के तालाब में सीवर लाइन डालने से संबंधित मामलों की सुनवाई भी प्रस्तावित थी। इन दोनों प्रकरणों में विस्तृत कार्रवाई और आदेशों की जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सकी है।

समय-सीमा में पूरे हों आंगनबाड़ी भवन, गुणवत्ता पर विशेष जोर



डिंडौरी। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत जिले में निर्माणाधीन और अधूरे आंगनवाड़ी भवनों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी ने दिए हैं। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।सीईओ चौधरी ने कहा कि आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अधूरे निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए तथा निर्माण के दौरान गुणवत्ता संबंधी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही और तकनीकी खामियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।उन्होंने निर्देशित किया कि भवन निर्माण पूरा होने के साथ ही सभी आवश्यक कमियों को दूर किया जाए। इसके बाद ही इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संबंधित विभाग को भवन हस्तांतरित किए जाएं, ताकि आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन सुचारू रूप से शुरू किया जा सके और हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल सके।समीक्षा बैठक में सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में समनापुर महाविद्यालय ने मारी बाजी

शहपुरा

शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय समनापुर ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि मेजबान शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा उपविजेता रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य सी.एस. परस्ते के मार्गदर्शन में हुआ। प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आरती चौधरी ने संभाली। निर्णायक मंडल में ब्रज बिहारी साहू, डॉ. शिवराम नंदवंशी एवं मधुर मरावी ने अपनी भूमिका निभाई।इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आरती चौधरी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार है। नियमित योगाभ्यास से विद्यार्थियों में एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिता के दौरान व्यक्तिगत एवं सामूहिक वर्गों में विभिन्न योग गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन सूर्य नमस्कार, प्राणायाम तथा विभिन्न योगासनों के आधार पर किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ अपनी



प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय समनापुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा दूसरे स्थान पर रहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को योग के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ खेल भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया गया।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. ओमप्रकाश पटेल ने किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक एस.बी. उरैती, रश्मि शुक्ला, कृष्ण कुमार मरावी, सी.पी. भानुवंशी, डॉ. किरण सिंह, डॉ. अनीता अग्रवाल, डॉ. स्मिता, डॉ. पारुल श्रीवास्तव, डॉ. राकेश साहू, डॉ. राकेश कुमार साहू, डॉ. आसफा, अभिषेक नागवंशी, अजय श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय के अन्य कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम झांकी में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित



डिंडोरी। जल संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड समनापुर के तत्वावधान में नावांकुर योजना के अंतर्गत ग्राम झांकी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण के साथ ग्रामीण विकास में जनभागीदारी बढ़ाने और सामाजिक जागरूकता को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।जल संरक्षण केवल शासन की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारीकार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान एवं विकासखंड समन्वयक मंजूलता राव उपस्थित रहीं। इस दौरान जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है। वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में जल के महत्व को समझते हुए उसके संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन, तालाबों एवं कुओं की साफ-सफाई, परंपरागत जल स्रोतों का संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। केवल सरकारी योजनाओं के भरोसे जल संकट का समाधान संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।धर्मेन्द्र चौहान ने ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों एवं नावांकुर सखियों से अपील की कि वे गांवों में जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी की बचत के लिए प्रेरित करें। जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देकर ही भविष्य में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है।

ग्रामीण विकास में प्रस्फुटन समितियों की अहम भूमिका

प्रशिक्षण के दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की भूमिका, सामाजिक सहभागिता और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में जनभागीदारी के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रस्फुटन समितियां गांवों की स्थानीय समस्याओं को समझने, उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने और ग्रामीणों को विकास कार्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वहीं, नावांकुर सखियां सामाजिक जागरूकता बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याणकारी गतिविधियों में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने में प्रभावी माध्यम बन सकती हैं।सामूहिक प्रयासों से संभव है गांवों का समग्र विकासकार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि गांवों का समग्र विकास तभी संभव है, जब ग्रामीण स्वयं आगे आकर विकास कार्यों में भागीदारी निभाएं। जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर जनसहयोग से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके लिए ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ उन्हें योजनाओं और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना भी आवश्यक है। कार्यक्रम में वार्ड पंच संतोष कुमार यादव, सुमेर सिंह धुर्वे, ग्रीसदास, पतिराम तिलगाम, नावांकुर संस्था प्रभारी वेदप्रकाश यादव, मेंटर एवं स्रोत व्यक्ति दिलीप बर्मन तथा शिशु बड़गैंया सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य और नावांकुर सखियां उपस्थित रहीं।प्रशिक्षण का मुख्य संदेश यही रहा कि जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और ग्रामीण विकास जैसे कार्यों को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। जब ग्रामीण सामूहिक जिम्मेदारी के साथ आगे आएंगे, तभी गांवों में स्थायी और सकारात्मक बदलाव संभव हो सकेगा।

पंचायत भवन निर्माण में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त, सरपंच-सचिव पर कार्रवाई के निर्देश



डिंडौरी। ग्राम पंचायत गणेशपुर में पंचायत भवन निर्माण से जुड़ी करीब 40 लाख रुपये की राशि के उपयोग और निर्माण कार्य में सामने आई अनियमितताओं पर कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने पंचायत सचिव भागवत प्रसाद यादव के निलंबन की कार्रवाई करने तथा सरपंच अमर सिंह पट्टा से राशि की वसूली और नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अब निर्माण कार्य के मूल्यांकन, भौतिक सत्यापन और भुगतान प्रक्रिया की निगरानी करने वाले अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आने का सवाल उठ रहा है। आखिर निर्माण की वास्तविक स्थिति क्या थी और राशि का आहरण किस आधार पर किया गया? इन बिंदुओं की जांच से ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

निगरानी करने वालों की जवाबदेही भी जरूरी

सरपंच और सचिव पर कार्रवाई के साथ यह जांचना भी जरूरी है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का सत्यापन किस स्तर पर किया गया था। सरकारी निर्माण कार्यों में मूल्यांकन, माप पुस्तिका, भौतिक सत्यापन और भुगतान संबंधी प्रक्रियाएं महत्वपूर्ण होती हैं।ऐसे में संबंधित अभिलेखों का मौके की वास्तविक स्थिति से मिलान किया जाना चाहिए। यदि जांच में गलत मूल्यांकन, लापरवाही या अनियमित भुगतान की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी नियमानुसार तय की जानी चाहिए। हालांकि, फिलहाल मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों की भूमिका पर कोई निष्कर्ष निकालने के बजाय जांच के तथ्यों के सामने आने का इंतजार करना उचित होगा।

पाकर बर्घरा में भी निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने ग्राम पंचायत पाकर बर्घरा में निर्माणाधीन पंचायत भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता सुनिश्चित करने और आवश्यकतानुसार जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।निर्माण के दौरान नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण से कमियों को समय रहते दूर किया जा सकता है। इससे निर्माण पूरा होने के बाद अनियमितताओं के सामने आने और सरकारी राशि की वसूली जैसी स्थितियों से बचने में मदद मिल सकती है।गणेशपुर पंचायत भवन मामले में करीब 40 लाख रुपये की राशि के उपयोग, निर्माण की वास्तविक प्रगति, मूल्यांकन रिपोर्ट और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच जरूरी है। इससे स्पष्ट हो सकेगा कि राशि का आहरण वास्तविक कार्य के अनुरूप हुआ था या नहीं और निगरानी की जिम्मेदारी निभाने वालों ने निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया था या नहीं।सरपंच और सचिव के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश के साथ यदि जांच में अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों की जिम्मेदारी सामने आती है, तो उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

दीपावली से पहले 32,730 लंबित रजिस्ट्रियां पूरी करने सात दिवसीय अभियान



डिंडौरी। स्वामित्व योजना के तहत जिले में लंबित रजिस्ट्रियों को पूरा कर हितग्राहियों को आवासीय संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने के लिए 25 से 31 अक्टूबर तक सात दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा। दीपावली से पहले शेष 32,730 रजिस्ट्रियां पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के जरिए अधिक से अधिक परिवारों को संपत्ति के अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा।योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेख मिलने से हितग्राहियों को अपने आवासीय भूखंड पर कानूनी अधिकार प्राप्त होगा। साथ ही नियमानुसार संपत्ति का व्यावसायिक उपयोग करने और वित्तीय आवश्यकताओं के लिए उसका लाभ लेने के अवसर भी मिल सकेंगे।

स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में बेहतर कार्य करने वाले पटवारियों को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया है। अभियान के दौरान राजस्व अमले को लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए रजिस्ट्रियों की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देशों के अनुरूप कार्य करना होगा, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके।जिले में योजना के तहत कुल 39,315 रजिस्ट्रियां पूर्ण करने का लक्ष्य है। इनमें से अब तक 6,585 रजिस्ट्रियां पूरी कर हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख प्रदान किए जा चुके हैं। यह कुल लक्ष्य का लगभग 17 प्रतिशत है। विकासखंडवार प्रगति में डिंडौरी में 2,870, शहपुरा में 1,991 और बजाग में 1,724 रजिस्ट्रियां पूर्ण की गई हैं।सात दिवसीय अभियान के माध्यम से शेष प्रकरणों में तेजी लाकर दीपावली से पहले अधिकाधिक परिवारों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण शुरू



डिंडौरी। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के सफल संचालन की तैयारियों के तहत डिंडौरी में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस जिलाधिकारियों को प्रशिक्षण देकर जनगणना की प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और संबंधित दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराने तथा कार्य में सटीकता, व्यवस्थित प्रक्रिया और समयबद्धता सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाओं और नियमों से अवगत कराकर द्वितीय चरण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तैयार करना है। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण के माध्यम से जनगणना कार्य को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों की कार्यक्षमता को मजबूत किया जा रहा है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

छेड़छाड़ व मारपीट के विरोध में ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

पुलिस पर कार्रवाई ना करने का आरोप



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना स्टेशनगंज अंतर्गत आने वाले ग्राम सिंहपुर के ग्रामीणों द्वारा बड़ी संख्या में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम सिंहपुर बड़ा में हर्ष उर्फ राजा चैकसे के द्वारा मजदूरी कार्य से घर लौट रही उमा यादव एवं रीना ठाकुर के साथ छेड़छाड़ की गई थी जो उमा यादव एवं रीना ठाकुर द्वारा उक्त घटना संतोष पटेल को बताई जो संतोष पटेल उक्त दिन दिनांक को हार्डवेयर की दुकान बाजार पहुंचकर हर्ष उर्फ राजा चैकसे एवं स्वप्निल चैकसे को समझाने गया था। आरोपियों द्वारा झूमा झटकी कर वाद विवाद करने लगे थे उस समय लगभग रात्रि के 11 बजे रहे थे वाद विवाद की स्थिति को सुलझाने के लिये नीलेश कश्यप निवासी ग्राम सिंहपुर बड़ा के द्वारा बीच बचाव किया गया इस बीच बचाव में अपनी दुकान में रखे फावड़े से नीलेश कश्यप के सिर पर घातक चोटे पहुंचाई है जो इस घटना में संतोष पटेल को हाथ की कुहनी के पास हर्ष उर्फ राजा चैकसे ने मारा है एवं आहत उमा बाई को स्वप्निल चैकसे ने सिर एवं माथे में लाठी मारी है जिससे अधिक खून का रिसाव हुआ था।

मामला इस प्रकार

घटना के बाद पीड़ति थाना स्टेशनगंज पहुंचे जहां पर कोई सुनवाई नही की गई और ना ही घटना में चोटिल हुए व्यक्तियों का मुलायजा कराया गया। आवेदन में बताया गया है कि आरोपी चौकसे परिवार बाहुबली एवं पैसे वाले है थाना स्टेशनगंज को प्रभाव में लेकर न तो आहतों की शिकायत लेखबद्ध की और न ही घटना में नीलेश कश्यप को सिर में चोट आने से अत्यंत रक्त का रिसाव होने लगा था एवं उमा बाई के सिर एवं माथे में चोट होने के कारण तीनों आहतगण दर्द के कारण थाना स्टेशनगंज शिकायत करने पहुंचे थे परंतु थाना स्टेशनगंज की लापरवाही के कारण न तो आहतों की एम.एल.सी. हो पाई और न ही थाना स्टेशनगंज द्वारा कोई शिकायत लेखबद्ध की गई। घटना के समय प्रेम ठाकुर निवासी सिंहपुर बड़ा उपस्थित थे जिन्होंने इस घटना को अपनी आंखों से देखा है। थाना स्टेशनगंज पुलिस द्वारा पीड़तिों की शिकायत लेखबद्ध न कर एवं उल्टा झूठा केस पीड़तिों के विरूद्ध बनवाने की तैयारी की जा रही है यहाँ तक कि थाना स्टेशनगंज को प्रभाव में लेकर अनावेदकगण झूठी व षड़यंत्रपूर्वक चोटे स्वयं कायमी कर आहतगणों के विरूद्ध कोई गंभीर मामला दर्ज करने की फिराक में है।

एस पी लगाई गुहार

पीड़तिों द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायती आवेदन देकर कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई। पुलिस पर कार्रवाई ना करने का आरोप लगाते हुए बताया गया कि आरोपियों के प्रभाव में आकर स्टेशनगंज थाना पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नही की गई। एसपी से गुहार लगाई है कि पीड़तिों का मुलायजा कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जावे तथा आरोपी कानून की परिधि को न लांघे एवं थाना स्टेशनगंज को विशेष हिदायत दी जावे कि पीड़तिो की शिकायत को प्रथम दृष्टया घटना में आई चोटों के मुताबिक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर एम.एल.सी. कराकर आरोपीगणों के विरूद्ध उचित दण्डात्मक कार्यवाही की जावे। उक्त मौके पर पीड़तिो के साथ बड़ी संख्यास में ग्रामीण मौजूद रहे।



प्राचार्य के खिलाफ विद्यार्थियों ने पुलिस को दी शिकायत

गत दिवस थाना सुआतला क्षेत्र के बरमान कला हाई स्कूल में प्रिंसिपल गीता गौर पर छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाए हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि प्रिंसिपल उनसे अभद्र भाषा में बात करती हैं, टॉयलेट साफ कराती हैं और सजा के तौर पर घंटों गिट्टी पर घुटनों के बल बैठाती हैं। यह सब करीब एक महीने से चल रहा है, जिससे कुछ छात्राएं स्कूल जाने से डर रही हैं। छात्र-छात्राओं ने परिजनों संग बरमान चौकी में प्रिंसिपल के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने प्रिंसिपल पर कार्रवाई और उन्हें स्कूल से हटाने की मांग की है। प्रिंसिपल गीता गौर ने आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि बाथरूम में फिसलन के कारण बच्चों से सिर्फ पानी डालने को कहा जाता है, सफाई वे खुद करती हैं। उन्होंने अभद्र व्यवहार और टॉयलेट साफ कराने से इनकार किया। प्रिंसिपल के मुताबिक, स्कूल के समय बाहर जाने पर प्रतिबंध का भी छात्र विरोध कर रहे हैं। बरमान चौकी प्रभारी आरती वर्मा ने बताया कि शिकायत मिली है। आरोपों की जांच के बाद कार्रवाई होगी। कलेक्टर रजनी सिंह ने भी जांच कराने की बात कही है।

खबर संक्षेप



आज मनाई जाएगी निमी महाराज की जयंती

नरसिंहपुर। विगत दिवस नेमा समाज की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिसमे 25 अक्टूबर दिन रविवार शरद पूर्णिमा के दिन नेमा समाज के आदिकुल प्रवर्तक श्री निमी जी महाराज जयंती के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनों के सुझावो के उपरांत सर्वसम्मति से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करते हुये तैयारी हेतु रूपरेखा बनाकर कार्य विभाजन किया गया। समस्त कार्यक्रम मुशरान पार्क के पास स्थित, पुलिस लाइन मढ़िया परिसर मे सम्पन्न होंगे।

मत्स्य पालन योजनाओं के लिए आवेदन 25 तक

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले के चयनित 73 ग्रामों में निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र व्यक्तियों, समूहों एवं समितियों से मत्स्य पालन संबंधी विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए 25 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

60 बल्क लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार



नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति इमलिया रोड, मरघटा के पास अधिक मात्रा में अवैध शराब लेकर आने वाला है। पुलिस टीम द्वारा इमलिया रोड, मरघटा के पास पहुंचकर हिकमत-अमली से घेराबंदी की गई। मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए एवं सूचना के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की निगरानी की गई। संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई। आरोपी की पहचान रंजीत उर्फ पप्पू पिता सुल्तान कौरव उम्र 39 साल निवासी गोंगावली, थाना करेली, जिला नरसिंहपुर आरोपी के पास से 60 बल्क लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जप्त की गई।

पहली बार आयोजित हुआ आधार समाधान शिविर, 140 को मिला लाभ



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के नागरिकों की आधार संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में नरसिंहपुर में पहली बार विशेष आधार जन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 140 से अधिक नागरिकों ने सहभागिता कर आधार संबंधी समस्याओं के निराकरण एवं मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त किया। शिविर में नागरिकों के लंबित आधार प्रकरणों के साथ विभिन्न तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक समस्याओं से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। प्रत्येक प्रकरण की प्रकृति के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की गई। साथ ही नागरिकों को उनके प्रकरणों के निराकरण तथा आगे की प्रक्रिया के संबंध में उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) भोपाल की विशेष टीम उपस्थित रही। टीम के सदस्यों ने नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुना और संबंधित प्रकरणों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। इस पहल से आधार संबंधी जटिल एवं लंबित मामलों के निराकरण के लिए नागरिकों को एक ही स्थान पर सहायता प्राप्त करने का अवसर मिला। नरसिंहपुर में आधार सेवा केंद्र की सुविधा तथा विशेष आधार जन समाधान शिविर का आयोजन नागरिकों को आधार सेवाएं अधिक सुगम, सुलभ एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे आधार संबंधी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। जिले के नागरिक आधार संबंधी विभिन्न सेवाओं के लिए एसबीआई बैंक शाखा के सामने टीवीएस शोरूम के पास स्टेशनगंज स्थित गल्ला मंडी रोड में स्थापित आधार सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

जागरूकता रैली निकालकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यातायात सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा इकाई द्वारा यातायात जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी एवं सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीति कौरव के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने रैली के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना की दलनायिका मनीषा राजपूत एवं सह-दलनायिका गरिमा पाण्डेय सहित स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता की। स्वयंसेवकों ने हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करने के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

महिला क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न, पीजी कॉलेज बना विजेता



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेलकूद कैलेंडर वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन क्रिकेट (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड पर किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक एवं क्रीड़ा अधिकारी अर्पित सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती निशा सोनी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनंत दुबे एवं वरिष्ठ पत्रकार नीलेश जाट मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और टॉस कराकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में पीजी कॉलेज नरसिंहपुर और शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा की महिला टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। तेंदूखेड़ा कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित 15 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 62 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पीजी कॉलेज नरसिंहपुर की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए महज 2 विकेट खोकर इस लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। मैच की समाप्ति के बाद पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य व विशिष्ट अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तेंदूखेड़ा कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. भानु प्रताप प्रजापति एवं दीपक प्रजापति विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर गुरुदेव समाधि स्थल से औषधि वितरण

गोटेगांव। शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर पूज्य गुरुदेव की परम्परा के अनुसार स्वास, पित्त एवं कफ संबंधी रोगों के लिए विशेष औषधि का वितरण किया जाएगा।यह औषधि वितरण पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य जी की परम्परा अनुसार उनके समाधि स्थल से किया जाएगा। स्थान परमहंसी गंगा आश्रम, झोतेश्वर, गोटेगांवसमय - 25 अक्टूबर, दिन रविवार, रात्रि 12 बजेउल्लेखनीय है कि 25 अक्टूबर रविवार को व्रत की पूर्णिमा है एवं 26 अक्टूबर सोमवार को स्नान-दान पूर्णिमा है। इसी के साथ आश्विन मास समाप्त होकर स्नान, दान, व्रत एवं दीपदान के लिए कार्तिक मास प्रारंभ होगा।

इंजीनियर शुक्ला की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, जांच की मांग



गोटेगांव। पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार और मनमानी पर केवल सरपंच-सचिव पर कार्रवाई काफी नहीं है। उपयंत्री की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।ताजा मामला ग्राम पंचायत बरहटा का है, जहां ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार की शिकायत की है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि पंचायतों में फर्जी बिल और GST चोरी हो रही है, तो जनपद के इंजीनियर साहब को यह सब क्यों दिखाई नहीं देता?

चर्चा गर्म है कि इंजीनियर साहब को सिर्फ अपने कमीशन से मतलब है। आप घटिया निर्माण करो या फर्जी बिल लगाओ, उन्हें उससे कोई सरोकार नहीं! मूल्यांकन और तकनीकी स्वीकृति की जिम्मेदारी उपयंत्री की ही होती है, फिर भ्रष्टाचार होने पर इंजीनियर साहब को क्यों बचा लिया जाता है? जनपद के सभी इंजीनियर/उपयंत्रियों की भूमिका की जांच हो और जवाबदेही तय की जाए। यदि पंचायत में भ्रष्टाचार साबित होता है तो इंजीनियर भी बराबर का दोषी है।

25 अक्टूबर को मनेगी शरद पूर्णिमा, 26 से शुरू होगा कार्तिक मास का पुण्यकाल

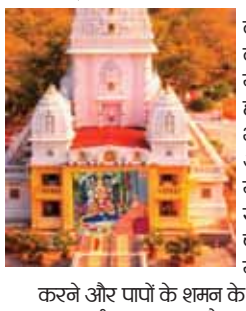

गोटेगांव, नरसिंहपुर। 26 अक्टूबर को स्नान-दान पूर्णिमा और महर्षि वाल्मीकि जयंती; धर्म शास्त्रों में कार्तिक मास में भगवान विष्णु की आराधना, तुलसी सेवा और दीपदान का विशेष महत्वअमृत वर्षा के पर्व शरद पूर्णिमा का व्रत 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा। वहीं, स्नान-दान पूर्णिमा 26 अक्टूबर को होगी। इसी दिन से कार्तिक मास के स्नान-दान, दीपदान और यम-नियम का आरंभ होगा। महर्षि वाल्मीकि जयंती भी 26 अक्टूबर को मनाई जाएगी। भगवान विष्णु को प्रिय कार्तिक मास में 27 अक्टूबर से 24 नवंबर तक धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, दीपदान और अन्य पुण्य कर्म किए जाएंगे।परमहंसी गंगा आश्रम, झोतेश्वर के आचार्य पंडित सोहन शास्त्री के अनुसार, काशी के ऋषिकेश पंचांग के मुताबिक पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11:06 बजे से शुरू होकर 26 अक्टूबर को सुबह 9:57 बजे तक रहेगी। शरद पूर्णिमा का मुख्य कर्मकाल रात्रि होने के कारण इसका व्रत 25 अक्टूबर को रखा जाएगा।उन्होंने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात शुद्ध गाय के दूध और शर्करा से बनी खीर को खुले आकाश में चंद्रमा की चांदनी में रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पूर्णिमा की अमृतमयी चांदनी में रखी खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण करने से आरोग्यता और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसी मान्यता के कारण शरद पूर्णिमा को अमृत वर्षा का महापर्व भी कहा जाता है।कार्तिक मास में भगवान विष्णु की आराधना का विशेष महत्वआचार्य पंडित सोहन शास्त्री ने बताया कि कार्तिक मास को पुण्य अर्जित करने और पापों के शमन के लिए विशेष महत्व वाला महीना माना गया है। पद्म पुराण में कहा गया है—न कार्तिकसमो मासो न देवः केशवात्परः।अर्थात कार्तिक के समान कोई महीना नहीं और भगवान केशव यानी विष्णु के समान कोई देवता नहीं है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस महीने में संयमपूर्वक भगवान विष्णु की आराधना, व्रत और धार्मिक नियमों का पालन करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है।उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण वनस्पतियों में तुलसी, महिनों में कार्तिक मास, तिथियों एकादशी और तीर्थस्थानों में द्वारकापुरी विशेष प्रिय हैं। इसलिए कार्तिक मास में तुलसी की पूजा, भगवान विष्णु की आराधना और एकादशी व्रत का विशेष महत्व बताया गया है।कार्तिक मास के पांच प्रमुख नियमसोहन शास्त्री के अनुसार, कार्तिक मास में पांच प्रमुख धार्मिक नियमों का पालन विशेष फलदायी माना गया है। इनमें भगवान विष्णु के समीप रात्रि जागरण भजन कीर्तन, प्रातःकाल तीर्थ स्नान, तुलसी सेवा, व्रत का उद्यापन और दीपदान शामिल हैं।इस महीने में नदी, तीर्थ या अन्य पवित्र जलाशयों में स्नान, जरूरतमंदों को दान, तिल का दान, साधु-संतों की सेवा, मौन व्रत और भूमि पर शयन करने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि इन नियमों का श्रद्धापूर्वक पालन करने से मनुष्य को आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।असमर्थ लोग तीन दिन स्नान करके भी कर सकते हैं पुण्य अर्जितआचार्य पंडित सोहन शास्त्री ने बताया कि शारीरिक असमर्थता या अन्य कारणों से पूरे कार्तिक मास में स्नान का नियम निभा पाना संभव न हो, तो धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तीन दिन स्नान करके भी पुण्य अर्जित किया जा सकता है। कार्तिक मास में श्रद्धा, संयम, सेवा और भक्ति को विशेष महत्व दिया गया है।उन्होंने कहा कि कार्तिक मास भारतीय धार्मिक परंपरा में आत्मसंयम, साधना और भगवान विष्णु की उपासना का विशेष अवसर है। इस दौरान श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य के अनुसार स्नान, दान, दीपदान, तुलसी सेवा और पूजा-पाठ करके धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले सकते हैं।

150 नेत्र रोगियों का हुआ परीक्षण: 45 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित



तेंदूखेड़ा। विगत दिवस राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस के पुनीत अवसर पर दिगम्बर जैन समाज द्वारा स्थानीय जैन धर्मशाला में आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर में झोतेश्वर शंकराचर्य नेत्रालय से पहुंचे नेत्र विशेषज्ञों द्वारा 150 नेत्र रोगियों की जाँच की गयी। जिसमें 45 मोतियाबिंद के मरीज चयनित हुये। जिन्हें आगामी दिवस में झोतेश्वर भिजवा कर निःशुल्क ऑपरेशन करवाया जावेगा।एवं लगभग 30 मरीजों को निःशुल्क चश्मे एवं दवाई दी गई। स्थानीय दिगम्बर जैन समाज द्वारा आयोजित नेत्र शिविर का शुभारंभ द्वीप प्रज्जलित कर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के महिला पुरुष युवा वर्ग उपस्थित रहा।